भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त परिषद)

वानिकी समाचार

सितंबर 2025
वर्ष 17 सं. 09

अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका	पृष्ठ सं.
स्वच्छता अभियान	01
वृक्ष उत्पादक मेला	02
हिंदी पखवाड़ा 2025	04
महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	05
परामर्शी	06
कार्यशालाएँ/सेमिनार/बैठकें	06
प्रशिक्षण कार्यक्रम	09
वन विज्ञान केन्द्र/कृषि विज्ञान केंद्र/प्रदर्शन ग्राम के अंतर्गत गतिविधियाँ	12
जागरूकता और प्रदर्शन कार्यक्रम	13
विकसिमत तकनिकिया	14
प्रदर्शनियों में प्रतिभागिता	14
मिशन लाईफ	15
प्रकृति कार्यक्रम	15
समझौता ज्ञापन	17
संस्थानों में गणमान्य व्यक्तियों का दौरा	17
राजभाषा गतिविधियां	18
रेडियो वार्ता	18
विविध	18
मानव संसाधन समाचार	19
प्रकाशन	19

स्वच्छता अभियान

- भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् मुख्यालय, संस्थानों और केन्द्रों में दिनांक 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक #Swachhta Hi Sewa अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.(मु.)

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.स.

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.स.

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.स.

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं.

भा.वा.अ.शि.प.–बां.बे.कें.

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं.

वृक्ष उत्पादक मेला

- भा.वा.अ.शि.प.–पा.पु.कें., प्रयागराज द्वारा दिनांक 19 सितंबर, 2025 को जिला परिषद् सभागार, गोण्डा (उ.प्र.) में वृक्ष उत्पादक मेला आयोजित किया गया। इस मेले का उद्घाटन श्री कीर्तिवर्धन सिंह, माननीय राज्यमंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा किया गया। गोण्डा, बलरामपुर और बहराइच (उ.प्र.) जिलों के लगभग 300 कृषक इसमें सम्मिलित हुए।

भा.वा.अ.शि.प.–पा.पु.कें., प्रयागराज द्वारा जिला परिषद् सभागार, गोण्डा (उ.प्र.) आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला

- भा.वा.अ.शि.प.–आ.वि.कें., अगरतला द्वारा दिनांक 12 सितंबर, 2025 को त्रिपुरा राज्य वन अकादमी खेल मैदान, अगरतला में वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया गया। कृषकों, वृक्ष उत्पादकों, स्वयं सहायता समूहों, गैर–सरकारी संगठनों, विद्यार्थियों, सरकारी अधिकारियों एवं सामाजिक प्रतिनिधियों सहित लगभग 300 आगंतुकों ने मेले में भाग लिया और संस्थान की विभिन्न तकनीकियों व उपलब्धियों का अवलोकन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–आ.वि.कें., अगरतला द्वारा त्रिपुरा राज्य वन अकादमी, अगरतला में

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा दिनांक 19 सितंबर 2025 को संस्थान परिसर में वृक्ष उत्पादक मेला आयोजित किया गया। मेले का उद्घाटन "भारत के वनपुरुष" के रूप में प्रख्यात पद्मश्री श्री जादव पायेंग (मोलाई) द्वारा किया गया। मेले में कृषकों, वृक्ष उत्पादकों, संयुक्त वन समितियों, वन अधिकारियों, विद्यार्थियों, स्वयं सहायता समूहों, गैर–सरकारी संगठनों, एटीएमए, एएसआरएलएम तथा निकटवर्ती गाँवों के प्रतिनिधियों को सम्मिलित करते हुए लगभग 550 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान की विभिन्न तकनीकिया प्रदर्शित की गईं।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने संस्थान परिसर में वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर ने दिनांक 23 सितंबर 2025 को संस्थान परिसर में वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया गया। मेले में संस्थान द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों को प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, वानिकी विशेषज्ञों, गैर सरकारी संगठनों और शु.व.अ.सं. वैज्ञानिकों सहित 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा शु.व.अ.सं. परिसर में आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा दिनांक 23 सितंबर 2025 को वन विद्यालय, लखनादौन, सिवनी में वृक्ष उत्पादक मेला आयोजित किया गया। मेले का उद्घाटन श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, माननीय सांसद, सिवनी ने किया। स्टॉल में संस्थान की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, छात्रों, सिवनी वन मंडल के वन अधिकारियों और वन धन

केंद्र, मंडला, सिवनी, बालाघाट, लखनादौन, बंजारी के किसानों सहित 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा लखनादौन, सिवनी में आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला

- भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर द्वारा दिनांक 20 सितंबर 2025 को नेम्मारा, पलक्कड़ जिला, केरल में वृक्ष उत्पादक मेला आयोजित किया गया। माननीय विधायक श्री के. बाबू द्वारा मेले का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर "Tree Cultivation in Farmland" शीर्षक पुस्तक का विमोचन भी किया गया। मेले में पलक्कड़ जिले के वृक्ष उत्पादक/किसान, केरल वन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी, केरल कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, वन विकास एजेंसी, नेम्मारा के सदस्य और आसपास की ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों सहित लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर ने नेम्मारा, पलक्कड़ जिला, केरल में वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची ने दिनांक 10 सितंबर 2025 को वन विज्ञान केन्द्र, सुकना, दार्जिलिंग (प. बंगाल) में वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया। मेले के दौरान विभिन्न वानिकी पद्धतियों और अल्प लागत वाले पादप की प्रजातियों का प्रदर्शन किया गया। कृषकों, छात्रों और अन्य हितधारकों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची ने वन विज्ञान केंद्र, सुकना, दार्जिलिंग में वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया

- भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची द्वारा दिनांक 18 सितंबर 2025 को वन विज्ञान केंद्र, बांका, बिहार में वृक्ष उत्पादक मेला का आयोजन किया गया। इसमें कृषकों, छात्रों, उद्योग प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों सहित लगभग 250 प्रतिभागियों को संस्थान की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची ने वन विज्ञान केंद्र, बांका, बिहार में वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा दिनांक 28 सितंबर 2025 को कृषि विज्ञान केंद्र, रोहड़ू, शिमला में वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया गया। वृक्ष उत्पादक मेले का उद्घाटन रोहड़ू के माननीय विधायक श्री मोहनलाल ब्राक्टा ने किया। मेले में विभिन्न तकनीकों, नवाचारों और उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में कृषकों और छात्रों सहित 215 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला ने कृषि विज्ञान केंद्र, रोहरू, शिमला में वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया

- भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद ने दिनांक 26 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद, परिसर में वृक्ष उत्पादक मेले का आयोजन किया। संस्थान द्वारा भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों और केंद्रों की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में कृषकों, छात्रों, उद्योग प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों सहित लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद परिसर में आयोजित वृक्ष उत्पादक मेला

हिंदी पखवाड़ा 2025

- भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय, संस्थानों और केंद्रों द्वारा 14 से 29 सितंबर 2025 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया।

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- कोरिलस जैक्वेमोंटी डेक्ने के बीज के स्रोत में बदलाव का आकलन तथा जीवनीयता एवं तेल की मात्रा की अध्ययन के लिए निकट अवरक्त परावर्तन स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग – दिनांक 9 से 21 सितंबर, 2025 तक हिमाचल प्रदेश के हेज़लनट उत्पादक क्षेत्रों में 13 दिनों तक दौरा किया गया ताकि कोरिलस जैक्वेमोंटी का सर्वेक्षण तथा जननद्रव्य को संग्रह किया जा सके।

- "भारतीय हिमालयी क्षेत्र के चयनित औषधीय पौधों के आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पादप भागों में अंतर करने के लिए वर्गीकीय, भारीरिक एवं आणविक उपकरणों का विकास" – नर्डोस्टैचिस जटामांसी और नार्डोस्टैचिस जटामासी और पिकोराइजा तुंगनाथेंसिस का डीएनए निश्कर्शण और trnH-psbA तथा matK बारकोड मार्कर के माध्यम से पीसीआर प्रवर्धन का कार्य संपन्न किया गया।

- उत्तराखंड के चकराता वन क्षेत्र में स्कीमिया लॉरियोला की पत्तियों के संग्रह हेतु 14/09/2025 को एक दिवसीय दौरा किया गया। पत्तियों का संग्रह देवबन वन क्षेत्र (सैन्य छावनी के समीप) (अक्षांश:30°43.5850′ उ., देशांतर: 77°52.0340′ पू., ऊंचाई: 2319 मी.) तथा देवबन वन पौधशाला क्षेत्र (अक्षांश: 30°74.464 उ., देशांतर: 77° 87.308 पू., ऊंचाई: 2625 मी.) के आस–पास के क्षेत्रों से की गईं।

- ट्रिलियम गोवनियानम के 29 प्रकंद नमूनों से फाइटोकेमिकल्स का निष्कर्षण किया गया, जिसमें निशानों की संख्या 11 से 20 (प्रकार–II) थी। सभी नमूनों का HPLC-ELSD विश्लेषण वर्तमान में प्रगति पर है।

- नीम के बीजों के 10 नमूनों पर तेल की मात्रा निर्धारित करने हेतु सॉक्सलेट निष्कर्षण किया गया। तेल की प्रतिशत प्राप्ति 40% से 48% (w/w) के बीच पाई गई, तथा औसत तेल प्राप्ति भी इसी सीमा के अंतर्गत रही।

भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- स्थानीय कीट–रोगजनक जीवाणु (EPB1) की रोगजनकता का मूल्यांकन प्रयोगशाला में मॉडल कीट कोरसीरा सेफेलोनिका के विरुद्ध विभिन्न सांद्रताओं एवं समयांतरालों पर किया गया। यह अध्ययन भा.वा.अ.शि.प. की योजना परियोजना "असम के बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के साल वनों में कैलिटेरा ग्रोटेई के प्रबंधन हेतु स्थानीय जैविक नियंत्रण कारकों की खोज एवं उपयोग" के अंतर्गत किया गया।

- परियोजना "टिटासोपा (मैगनोलिया चम्पाका) में वृद्धि मानकों एवं काष्ठ गुणवत्ता हेतु आनुवंशिक मूल्यांकन एवं चयन" के अंतर्गत पूर्व गारो हिल्स, पश्चिम गारो हिल्स तथा उत्तर गारो हिल्स (मेघालय) से मैगनोलिया चम्पाका के कुल 45 CPTs का चयन किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदाराबाद

- राइजोफोरा प्रजातियाँ पारिस्थितिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण वास्तविक मैंग्रोव हैं, जिनका उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में व्यापक वितरण पाया जाता है। भारत के दो भिन्न मैंग्रोव पारितंत्रों कोरिंगा और पिचावरम प्रमुख राइजोफोरा प्रजातियों के राइजोस्पेरिक माइक्रोबायोम का हाईथ्रुपुट मेटाबारकोडिंग तकनीक द्वारा प्रलेखन किया गया। दो अलग–अलग स्थलों की मृदा विशेषताओं में महत्वपूर्ण अंतर पाया गया। पिचावरम में विद्युत चालकता (24.53 dS/m), कार्बनिक कार्बन (1.70%), सोडियम (8811.86 ppm), सोडियम अवशोषण अनुपात (220.15) तथा विनिमेय सोडियम प्रतिशत (64.27%) अधिक पाया गया, जबकि कोरिंगा की मृदा में pH का मान अधिक (8.01) दर्ज किया गया। सीक्वेंसिंग के माध्यम से आर्किया, बैक्टीरिया एवं कवकों के लिए क्रमशः 1.31, 1.24 तथा 1.22 मिलियन उच्च–गुणवत्ता रीड्स प्राप्त हुए। टैक्सोनोमिक प्रोफाइलिंग से नाइट्रोसोफेरिया (62.3–91.9%), गैमाप्रोटियोबैक्टीरिया (16.8–25.1%) तथा सोर्डारियोमाइसीट्स (18.6–27.8%) को प्रमुख वर्गों के रूप में पहचाना गया। दोनों स्थलों में समान रूप से पाए जाने वाले प्रमुख कोर टैक्सा में कैंडिडेटस नाइट्रोसोपुमिलस, वोसेया और एस्परगिलस शामिल थे। अल्फा विविधता सूचकांकों (चाओ1, शैनन, सिम्पसन) से यह संकेत मिला कि कोरिंगा में आर. एपिकुलता के अंतर्गत बैक्टीरियल समृद्धि एवं समरूपता उल्लेखनीय रूप से अधिक थी ($P < 0.001$), जबकि आर्कियल एवं कवक विविधता में कोई विशेष अंतर नहीं पाया गया। बीटा विविधता विश्लेषण (PCoA, PERMANOVA) से कोरिंगा और पिचावरम के बीच समुदाय संरचना में स्पष्ट अंतर सामने आया, जिसमें कवकों की तुलना में आर्किया और बैक्टीरिया समुदायों में अधिक स्पष्ट पृथक्करण देखा गया। विभेदक प्रचुरता विश्लेषण से दोनों स्थलों के बीच समृद्ध पाए गए कुल नौ आर्कियल, उनसठ बैक्टीरियल तथा तीन फंगल वंशों की पहचान की गई। जिनमें कोरिंगा में मीथेनोजेन (मिथनोसारसिना, मीथेनोसेला) प्रमुख पाए गए, जबकि पिचावरम में हैलोफाइल्स (हेलोकोकस, हेलोफेरैक्स) का प्रभुत्व देखा गया। रेडंडेंसी विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि सूक्ष्मजीव समुदायों के निर्धारण में सोडियम अवशोषण अनुपात प्रमुख कारक है, जबकि विद्युत चालकता ने आर्कियल एवं कवक समुदायों को महत्वपूर्ण रूप से आकार दिया। ये निष्कर्ष कोरिंगा राइजोस्पेरिक माइक्रोबायोम का प्रथम आधारभूत डेटासेट प्रस्तुत करते हैं तथा भारतीय मैंग्रोवों की सूक्ष्मजीव पारिस्थितिकी पर नई समझ प्रदान करते हैं, जिनका पारितंत्रीय क्रियाविधियां, मीथेन उत्सर्जन एवं संरक्षण रणनीतियों के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ है।

परामर्श

<u>भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, मुख्यालय</u>

<u>प्रदान की गई नई परामर्श परियोजनाएँ</u>

- राज्य वन विभाग और वन्यजीव विभाग के परामर्श से साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (एस ई सी एल) हसदेव क्षेत्र की 06 कोयला खदानों के परियोजना क्षेत्र और उसके आसपास पाई जाने वाली लुप्तप्राय प्रजातियों/अनुसूची–I जीवों के लिए संरक्षण योजना तैयार की गई।

<u>भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर</u>

- SECL, सोहागपुर क्षेत्र की बगवार भूमिगत खान से (वन्यजीव संरक्षण योजना की तैयारी (राज्य–I वन स्वीकृति के अनुपालन में) शीर्षक पर परामर्श परियोजना प्राप्त हुई है। इस परियोजना के लिए SECL द्वारा रू 31.074 लाख की निधि प्रदान की गई है, जिसे भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर टीम द्वारा प्रस्तुत किया गया है। टीम में एम. राजकुमार, धीरज गुप्ता, डॉ. दिग्विजय राठौड़, डॉ. दीपिका जांगम और डॉ. नीडीश टी.डी. शामिल हैं।

<u>भा.वा.अ.शि.प.–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु</u>

- वैज्ञानिक डॉ. एस. सी. साहू ने दिनांक 23.09.2025 से 24.09.2025 तक असम के जोरहाट स्थित एम/एस गातानी प्लाईवुड इंडस्ट्रीज़ का दौरा किया, जिसका उद्देश्य प्री–प्रेस गुणवत्ता वाले रेज़िन और प्रक्रिया में सुधार करना था।

- दीमक संक्रमण का मूल्यांकन करने हेतु दिनांक 15.09.2025 को एलुरु, राजमहेंद्रवरम में डीलर स्थल का निरीक्षण किया गया।

- दीमक संक्रमण का मूल्यांकन करने हेतु दिनांक 16.09.2025 को अमलापुरम, काकीनाडा में डीलर स्थल का निरीक्षण किया गया।

कार्यशालाएँ/सेमिनार/बैठकें

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून			
1.	"जलवायुन्यक शहरों के निर्माण में शहरी वानिकी और सामुदायिक सहभागिता की भूमिका" पर शोध समीक्षा समिति बैठक	09 सितंबर 2025	भा.वा.अ.शि.प– व.अ.सं., देहरादून और भा.वा.अ.शि.–हि.व.अ.सं., शिमला के वैज्ञानिकों, वन अधिकारियों, शोधार्थियों और तकनीकी कर्मचारियों सहित 40 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प–व.अ.सं., देहरादून में "जलवायुतन्यक शहरों के निर्माण में शहरी वानिकी और सामुदायिक सहभागिता की भूमिकाष परशोध समीक्षा समिति बैठक

भा.वा.अ.शि.प– शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

2.	अ.स.स. की बैठक में "प्रस्तावित परियोजनाओं का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन शमन, जैव विविधता संरक्षण और संवर्धन से संबंधित चुनौतियों के समाधान हेतु वैज्ञानिक उपाय प्रदान करना है।"	10 सितंबर 2025	20 प्रतिभागियों में किसान, वैज्ञानिक तथा भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर के तकनीकी कर्मचारी शामिल थे।
3.	राजस्थान में खुले प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण और प्रबंधन के लिए एक रोडमैप तैयार करना	16 सितंबर 2025	25 प्रतिभागी जिनमें भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर के वैज्ञानिक, अधिकारी और शोधकर्ता शामिल हैं

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर में अ.स.स. बैठक

भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सु., जोधपुर में "राजस्थान में खुले प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण और प्रबंधन के लिए रोडमैप तैयार करने" के लिए कार्यशाला

भा.वा.अ.शि.प–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

4.	26वीं अ.स.स. बैठक पर "बायोरिमेडिएशन और झारखंड के खान–अनुकूलित क्षेत्र से प्राप्त Trichoderma आइसोलेट्स की पौध वृद्धि को बढ़ावा देने की क्षमता, प्रचार विधियों का मानकीकरण और क्लोनली प्रचारित Heritiera fomes – एक संकटग्रस्त मैन्ग्रोव प्रजाति का अनुकूलन प्रदर्शन मूल्यांकन, तथा Cinnamomum tamala Nees & Eberm की क्लोनल मूल्यांकन के माध्यम से आनुवंशिक विविधता का मूल्यांकन और किस्म विकास"	12 सितंबर 2025	40 प्रतिभागियों में अ.स.स. सदस्य, वैज्ञानिक, भा.वा.अ.यि.प.–व.उ.सं., रांची के वरिष्ठ अधिकारी, गैर साकारी संगठन और अनुसंधान संस्थान शामिल हैं

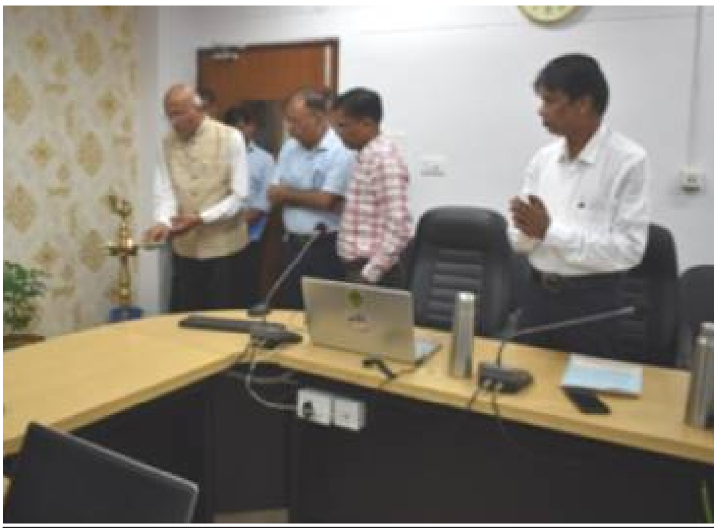

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची में 26वीं अ.स.स. बैठक

भा.वा.अ.शि.प–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

5.	गोवा वन विभाग के वन अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला	05 सितंबर 2025	गोवा वन विभाग से 30 वन रेंज अधिकारी
6.	नए प्रस्तावित शोध परियोजनाओं का मूल्यांकन करने के लिए अ.स.स. बैठक	19 सितंबर 2025	20 प्रतिभागी जिनमें अ.स.स. सदस्य, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं

भा.वा.अ.शि.प.–का.व.प्र.सं., बेंगलुरु में अ.स.स. बैठक

भा.वा.अ.शि.प–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

7.	शहरी मृदा प्रबंधन की चुनौतियाँ और अवसर	03 सितंबर 2025	भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं, जोरहाट के वैज्ञानिकों, अधिकारियों,सहायक कर्मचारियों, शोधकर्ताओं, छात्रों सहित 50 प्रतिभागी
8.	पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए अनुसंधान समीक्षा समिति बैठक– झूम खेती के पारिस्थितिक प्रभाव अनुसंधान और शमन रणनीतियाँ	04 सितंबर 2025	अरुणाचलप्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, शोधकर्ताओं और प्रतिनिधियों सहित 30 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं, जोरहाट में "शहरी मृदा प्रबंधन की चुनौतियाँ और अवसर" पर संगोष्ठी

भा.वा.अ.शि.प––व.व.अ.सं, जोरहाट में "पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए झूम खेती के पारिस्थितिक प्रभाव अनुसंधान और शमन रणनीतियाँ" पर अनुसंधान समीक्षा समिति बैठक

9.	अनुसंधान सलाहकार समूह की 27 वीं बैठक	17 सितंबर 2025	भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं, जोरहाट के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, शोधकर्ताओं और छात्रों सहित 35 प्रतिभागी
10.	"अरुणाचल प्रदेश के वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड" पर परामर्श बैठक	29 सितंबर 2025	अरुणाचल प्रदेश के वन विभाग के 25 अधिकारी
11.	"पूर्वोत्तर भारतीय बाँसों में कोशिका जनन विविधता और जीनोम आकार भिन्नता" पर संगोष्ठी	29 सितंबर 2025	भा.वा.अ.शि.प.– व.व.अ.सं, जोरहाट से 20 प्रतिभागी
भा.वा.अ.शि.प–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला			
12.	आक्रामक विदेशी पादप प्रजातियों का प्रबंधन	30 सितंबर 2025	भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं. ,शिमला के वैज्ञानिकों, वन अधिकारियों और शोधकर्ताओं सहित 25 प्रतिभागी
भा.वा.अ.शि.प–आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर			
13.	अनुसंधान सलाहकार समूह बैठक	26 सितंबर 2025	भा.वा.अ.शि.प.(मु.),संस्थानों,विश्वविद्यालयों, काष्ठ उद्योगों,एफपीओ और विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों के 50 प्रतिनिधि

भा.वा.अ.शि.प – हि.व.अ.सं.,शिमलामें "आक्रामक विदेशी पादप प्रजातियों के प्रबंधन" पर संगोष्ठी

भा.वा.अ.शि.प.– व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर में अनुसंधान सलाहकार समूह बैठक

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून			
1.	भूमि प्रबंधन के लिए कृषि वानिकी प्रजातियों की खेती	23 से 25 सितंबर 2025	किसानों, शोधार्थियों और भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के छात्रों सहित 60 प्रतिभागी
भा.वा.अ.शि.प.– शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर			
2.	राजस्थान के लिए वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड	24 सितंबर 2025	राजस्थान वानिकी एवं वन्यजीव प्रशिक्षण संस्थान, जयपुर के वन संवर्धन एवं अनुसंधान विंग के 18 प्रतिभागी
3.	गुजरात के लिए वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड	25 सितंबर 2025	गुजरात वन विभाग के 60 अग्रिम पंक्ति के वन कर्मचारी

भा.वा.अ.शि.प. – शु.व.अ.सं., जोधपुर में "राजस्थान के लिए वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प. –शु.व.अ.सं., जोधपुर में "गुजरात के लिए वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

4.	बेतुलायूटिलिस (भोजपत्र) के बीज, नर्सरी और रोपण तकनीक	25 सितंबर 2025	किन्नौर, हिमाचल प्रदेश से वन अधिकारियों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों और अन्य हितधारकों सहित 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.पद्ृ हि.व.अ.सं.,शिमला में "बेतुलायूटिलिस (भोजपत्र) के बीज, नर्सरी और रोपण तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

5.	अगरवुड की खेती और कृत्रिम संरोपण	08 से 09 सितंबर 2025	असम और छत्तीसगढ़ के किसानों और छात्रों सहित 30 प्रतिभागी
6.	बाँस प्रसार, संवर्धन और लघु बाँस नर्सरी का विस्तारल	22 सितंबर 2025	कलशीमुख, त्रिपुरा के अलग–अलग क्षेत्रों से स्वयं सहायता समूह के सदस्य, शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ताओं समेत 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया

भा.वा.अ.शि.प.–व. व.अ.सं., जोरहट में "अगरकाष्ठ की खेती और कृत्रिम संरोपण" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.,जोरहट में "बांस संवर्धन, गुणन और लघु बांस नर्सरी के विस्तार" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

7.	प्रासंगिक भारतीय मानक विनिर्देश के अनुसार प्लाईवुड, ब्लॉकबोर्ड और फ्लशडोर	08 और 12 सितंबर 2025	इसमें सरकारी अधिकारियों, उद्योग प्रायोजित प्रतिभागतियों, प्रयोगशाला कर्मियों सहित 07 लोगों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.– उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

8.	पर्यावरणीय प्रभाव आकलन हेतु पारिस्थिति की और जैवविविधता	06 से 09 सितंबर 2025	भारत भर के पर्यावरणीय संगठनों, परामर्शदात्री फर्मों और अनुसंधान संस्थानों से 22 प्रतिभागी

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं.,जबलपुर में "पर्यावरणीय प्रभाव आकलन हेतु पारिस्थितिकी और जैवविविधता" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

9.	हरियाली स्थलों, शहरी वनों एवं परागण–अनुकूल प्रथाओं के माध्यम से शहरी जैव विविधता को बढ़ावा देना	11 सितंबर 2025	50 प्रतिभागी, जिनमें छात्र, गैर–सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि तथा शैक्षणिक संस्थानों के सदस्य

वन विज्ञान केन्द्र/कृषि विज्ञान केंद्र/प्रदर्शन ग्राम के अंतर्गत गतिविधियाँ

भा.वा.अ.शि.प.– शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- दिनांक 30 सितंबर 2025 को कृषि विज्ञान केंद्र, जैसलमेर में "पश्चिमी राजस्थान के इंदिरा गांधी नहर क्षेत्र में आजीविका सृजन हेतु उपयुक्त कृषि वानिकी मॉडल" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान वन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों और जैसलमेर के कृषकों सहित 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केंद्र, जैसलमेर में "पश्चिमी राजस्थान के इंदिरा गांधी नहर क्षेत्र में आजीविका सृजन हेतु उपयुक्त कृषि वानिकी मॉडल" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

भा.वा.अ.शि.प–आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- कृषि विज्ञान केंद्र, सेलम, तमिलनाडु में दिनांक 9 सितंबर 2025 को "वृक्ष संवर्धन तकनीक" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में से लमजिलेकेयेरकौड, पनाईमराथुपट्टी और करुमंदुरई के लगभग 65 किसानों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केंद्र, सेलम, तमिलनाडु में "वृक्ष संवर्धन तकनीकों" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची ने 10 सितंबर 2025 को प्रदर्शन ग्राम , जिदु, अंगारा, रांची में "क्रमि खाद बनाने की तकनीक और विधि" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। जिदु गाँव के लगभग 45 कृषकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। उनको कार्यक्रम के दौरान लाभकारी मृदा सूक्ष्मजीवों, फसलों के लिए केंचुआ खाद के महत्व और लाभकारी मृदा सूक्ष्मजीवों को बढ़ावा देने के तरीकों के बारे में भी जानकारी प्रदान की गयी ।

भा.वा.अ.शि.प–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र, तिरुपति, आंध्रप्रदेश में दिनांक 03 सितंबर 2025 को "बांस, चंदन और रक्त चंदन की नर्सरी प्रबंधन और मूल्यसंवर्धन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंध्रप्रदेश वन विभाग के अधिकारियों और कृषकों सहित लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र, तिरुपति (आंध्रप्रदेश) में "बांस, चंदन और रक्त चंदन की नर्सरी प्रबंधन और मूल्य संवर्धन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- श्री ई. वेंकट रेड्डी, भा.व.से., निदेशक तथा श्री स्वयम मलिक, भा.व.से. एवं मुख्य वन संरक्षक, राज्य वन संवर्धन, भुवनेश्वर, ओडिशा वन विभाग, ओडिशा द्वारा दिनांक 18 सितंबर 2025 को भस्म अनुसंधान उद्यान एवं हाई–टेक पौधशाला, संबलपुर अनुसंधान रेंज, ओडिशा में नवस्थापित वन विज्ञान केंद्र की आधारभूत सुविधाओं का उद्घाटन किया गया।

भस्म रिसर्च गार्डन एवं हाई–टेक नर्सरी, संबलपुर रिसर्चरेंज, ओडिशा में नवस्थापित वन विज्ञान केंद्र का उद्घाटन।

- वन विज्ञान केंद्र, संबलपुर, ओडिशा में दिनांक 18 तथा 19 सितंबर 2025 को "व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों की गुणवक रोपण सामग्री उत्पादन और गैर–प्रकाष्ठ वन उत्पादों का सतत दोहन एवं उनका मूल्य संवर्धन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, वन अधिकारियों और संबलपुर, ओडिशा के कृषकों सहित लगभग 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- दिनांक 17 सितंबर 2025 को गंगुलर पंचायत, पुलकल मंडल, संगेरेड्डी, तेलंगाना में "मशरूम की खेती" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गंगुलर, तेलंगाना के कृषकों और स्वयं सहायता समूह के सदस्यों सहित 60 लोगों ने भाग लिया।

गंगुलर पंचायत, पुलकल मंडल, तेलंगाना में "मशरूम की खेती" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

जागरूकता और प्रदर्शन कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- विदिशा, मध्य प्रदेश के लगभग 25 कृषकों ने दिनांक 17 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर के शीशम कृंतक , थारशोभा खेजरी, नीम पत्ती खाद के गड्ढों और गुग्गुल परीक्षण स्थल का दौरा किया

विदिशा, मध्य प्रदेश के कृषकों ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.– हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- कृषि प्रबंधन एवं विस्तार केंद्र, मशोबरा, शिमला के 40 प्रशिक्षुओं ने 26 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.– हि.व.अ.सं., शिमला की प्रयोगशालाओं और तकनीकी प्रदर्शन केंद्र का दौरा किया।

कृषि प्रबंधन एवं विस्तार केंद्र, मशोबरा, शिमला के प्रशिक्षुओं ने भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.– उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- दिनांक 20 अगस्त 2025 को "बांस रोपण और चंदन आधारित कृषि वानिकी प्रणाली" पर प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इंदौर और रतलाम, मध्य प्रदेश के 5 उप प्रभागीय वन अधिकारियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प–आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के 38 छात्र एवं संकाय सदस्यों ने दिनांक 19 सितंबर 2025 को नेभा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं.,कोयंबटूर की ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला का दौरा किया। इस दौरान उन्हें मीडिया तैयारी, कर्तोतक का चयन, संवर्धन प्रक्रियाएँ तथा पौधों को मिट्टी में स्थापित करने हेतु प्राथमिक, द्वितीयक एवं अनुकूलन सहित की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई।

- कृषि प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, थेनी और राजकीय डिग्री महाविद्यालय, पुत्तूर, आंध्र प्रदेश के संकाय सदस्यों के साथ 83 छात्रों ने 09 और 26 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.– व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर की ऊतक संवर्धन और डीएनए फिंगर प्रिंट प्रयोगशाला का दौरा किया। इस दौरे के दौरान उन्हें संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

कृषि प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, थेनी के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

- वानिकी महाविद्यालय, पोन्नमपेट, वन महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान, मेट्टुपालयम, केलाडी, शिवप्पानायक कृषि एवं बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, इरुवक्की, शिव मोग्गा और एम.ई.एस. महाविद्यालय, बेंगलुरु के संकाय सदस्यों सहित 332 छात्रों ने दिनांक 9, 10, 11, 15 और 17 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया। इस दौरे के दौरान "ऊतक संवर्धन तकनीक, बांस और बांस से बने आवास का प्रारम्भिक प्रसंस्करण और पादप ऊतक संवर्धन एवं आणविक तकनीक" पर व्याख्यान भी दिया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- सेंट फ्रांसिस महिला महाविद्यालय, हैदराबाद के 45 छात्राओं ने संकाय सदस्यों के साथ दिनांक 10 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प दृव.जै.वि.सं.,हैदराबाद का दौरा किया। इस दौरान उन्हें संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

सेंट फ्रांसिस कॉलेज फॉर विमेन, हैदराबाद के छात्राओं ने भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं.,हैदराबाद का दौरा किया

विकसिमत तकनिकियाँ

- डॉ. संगीता सिंह, वैज्ञानिक 'एफ' एवं जी. सी. आर. , तथा डॉ. तन्मय कुमार भोई, वैज्ञानिक 'सी' ने ट्राइकोडर्माहारजियानम के चार वियुक्तों के लिए डीएनए बारकोड विकसित एवं तैयार किए। ये वियुक्तों शु.व.अ.सं. जी–4 (एक्सेशन संख्यारू PV739462), Th–11 (PV739570), Th–14 (PV739569) तथा Th–18 (PV739566) के रूप में नामित किए गए हैं, जिन्हें गैनोडर्मा ल्यूसिडम से संक्रमित डालबर्गिज सिस्सू पौधों से पृथक किया गया था। इन वियुक्तों की पहचान आणविक तकनीकों द्वारा की गई तथा उन्हें संबंधित एक्सेशन संख्याएँ आवंटित की गईं। इसके अतिरिक्त, डी. एस्पर की एक मदर (इन–विट्रो) बेस कल्चर बोतल 16.09. 2025 को लागत मूल्य पर एक निजी फर्म को विक्रय की गई। (श्रीमती ट्रेसा हेमिल्टन, वैज्ञानिक–ई)

प्रदर्शनियों में प्रतिभागिता

- भा.वा.अ.शि.प–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु ने 13 से 14 सितंबर 2025 तक बीबीएमपी ग्लास हाउस, बेंगलुरु में सेंटर फॉर ग्रीनबिल्डिंग मैटेरियल्स एंड टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु द्वारा आयोजित "बांसहब्बा" (बांसउत्सव) में बांस और बांस– आधारित आवास पर अपनी तकनीकों का प्रदर्शन किया।

भा.वा.अ.शि.प– का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने बीबीएमपी ग्लास हाउस, बेंगलुरु में आयोजित "बांसहब्बा (बांस उत्सव)" में भाग लिया।

- भा.वा.अ.शि.प–का.वि.प्रौ.सं.,बेंगलुरु ने भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.वि.सं., हैदराबाद द्वारा 26 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि. प.–व.जै.वि.सं., हैदराबाद परिसर में आयोजित वृक्ष उत्पादक मेले में भाग लिया और अपनी तकनीकों का प्रदर्शन किया।

भा.वा.अ.शि.प– का.वि.प्रौ.सं.,बेंगलुरु ने भा.वा.अ.शि.पदृ व.जै.वि.सं., हैदराबाद में "वृक्ष उत्पादक मेले" में भाग लिया।

मिशन लाईफ

भा.वा.अ.शि.प.– शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- दिनांक 26 सितंबर 2025 को राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बासनी स्टेशन, जोधपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 470 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- दिनांक 16 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून परिसर में आगंतुकों को सतत खाद्य प्रणाली के बारे में जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भा.वा.अ.शि.प– वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- सैंट. फ्रांसिस महिला महाविद्यालय, बहुदुरपल्ली, हैदराबाद में दिनांक 10 और 18 सितंबर 2025 को "स्वस्थ जीवनशैली, ऊर्जा की बचत, अपशिष्ट में कमी और एकल उपयोग प्लास्टिक" पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बहुदुरपल्ली, हैदराबाद के आस–पास के क्षेत्र से लगभग 60 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प– वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद द्वारा "स्वस्थ जीवनशैली, ऊर्जा की बचत, अपशिष्ट में कमी और एकल उपयोग प्लास्टिक" पर जागरूकता कार्यक्रम

- भा.वा.अ.शि.प.–तटीय पारितंत्र केंद्र, विशाखापत्तनम ने दिनांक 11, 15, 18 और 20 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–तटीय पारितंत्र केंद्र, परिसर, भीमुनिपट्टनम और वी.एम.आर.डी.ए. बीच, विशाखापत्तनम में "स्वस्थ जीवन शैली और एकल प्रयुक्त प्लास्टिक" पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में भा.वा.अ.शि.प.–तटीय पारितंत्र केंद्र, और वी.एम.आर.डी.ए., विशाखापत्तनम से 161 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प– तटीय पारितंत्र संरक्षण, विशाखापत्तनम द्वारा "स्वस्थ जीवन शैली और एकल प्रयुक्त प्लास्टिक" पर जागरूकता कार्यक्रम।

प्रकृति कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- दिनांक 16 सितंबर 2025 को केंद्रीय विद्यालय, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में "पौधशाला को कैसे तैयार करें" पर प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 40 छात्रों ने प्रतिभाग किया।

केंद्रीय विद्यालय, उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में "पौधशाला को कैसे तैयार करें" पर प्रदर्शन कार्यक्रम

- उच्च माध्यमिक विद्यालय, जबलपुर के 50 छात्रों तथा शिक्षकों ने दिनांक 19 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं.,जबलपुर का दौरा किया। इस दौरे के दौरान उन्हें संस्थान की अलग–अलग अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

उच्च माध्यमिक विद्यालय, जबलपुर के छात्र–छात्राओं ने भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प–वन उत्पादकता संस्थान, रांची

- जवाहर नवोदय विद्यालय, मेसरा के 86 विद्यार्थियों ने शिक्षकों के साथ 24 सितंबर 2025 को रांची स्थित भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची के प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र, पौधशाला और बांस वाटिका का दौरा किया। इस दौरान उन्हें वनों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया गया।

जवाहर नवोदय विद्यालय, मे सराके विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प–आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर

- वी.आर.टी. राजकीयइ बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अनामलाई के 32 विद्यार्थियों ने शिक्षकों के साथ 02 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया। दौरे के दौरान "अनामलाई बाघ अभयारण्य और सामान्य वन्यजीवन संपदा" पर व्याख्यान दिया गया।

वी.आर.टी. राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अनामलाई की छात्राओं ने भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर का दौरा किया

- दिनांक 26 सितंबर 2025 को बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, थोंडामुथुर और राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मदुक्करै में "नर्सरी पालन" पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों सहित लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान "पर्यावरण संरक्षण और वानिकी वृक्ष प्रजातियों के वानस्पतिक प्रवर्धन तकनीक" पर व्याख्यान भी दिया गया।

बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, थोंडामुथुर में "नर्सरी पालन" पर जागरूकता कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प–काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू

- लिटिलफ्लावर पब्लिक स्कूल, होसाकेरेहल्ली, बेंगलुरु के 213 छात्रों और शिक्षकों ने 9 से 10 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु के काष्ठ संग्रहालय, नर्सरी, एडबल्यूटीसी और तकनीक प्रदर्शन केंद्र का दौरा किया। इस दौरान उन्हें संस्थान की विभिन्न शोध गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

लिटिल फ्लावर पब्लिक स्कूल, होसाकेरेहल्ली, बेंगलुरु के विद्यार्थियों ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद

- भा.वा.अ.शि.प– तटीय पारितंत्र संरक्षण, विशाखापत्तनम ने 02 सितंबर 2025 को केंद्रीय विद्यालय, कोकिनोडा में "वैज्ञानिक–छात्र संपर्क कार्यक्रम" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 65 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उन्हें जैवविविधता, पारिस्थितिकी और संरक्षण से संबंधित मुद्दों के बारे में जानकारी दी गई।

केन्द्रीय विद्यालय, काकीनाडा में वैज्ञानिक छात्र संपर्क कार्यक्रम

समझौता ज्ञापन

- भा.वा.अ.शि.प.– वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने 09 सितंबर 2025 को असम राज्य वन विभाग, गुवाहाटी के साथ राज्य में कैम्पा अनुश्रवण और मूल्यांकन कार्यों के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट और असम राज्य वन विभाग, गुवाहाटी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

- भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर ने 30 सितंबर 2025 को पेरुनथलैवर कामराजर कृषि विज्ञान केंद्र, पुडुचेरी के साथ पी.के कृ.वि.के., पुडुचेरी में नया वन विज्ञान केंद्र (वी.वी.के.) स्थापित करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर और पेरुनथलैवर काम राजार कृ.वि.के., पुडुचेरी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

संस्थानों में गणमान्य व्यक्तियों का दौरा

- डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.–वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने दिनांक 11 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर का दौरा किया।

डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ. संस्थान, जोरहाट ने भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ. संस्थान, जबलपुर का दौरा किया

- श्री शमीर कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, जबलपुर ने दिनांक 19 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प. –उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों की भी समीक्षा की।

श्री शमीर कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, जबलपुर ने भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया

राजभाषा गतिविधियां

- भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून ने दिनांक 09 सितंबर 2025 को "राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति और वार्षिक कार्यक्रम 2025–2026" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून के वैज्ञानिक, अधिकारी, अधिकारी और छात्र समेत 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून में राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति और वार्षिक कार्यक्रम 2025–2026 पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

रेडियो वार्ता

- दिनांक 4 सितंबर 2025 को आकाशवाणी जोरहाट में असमिया भाषा में "चक्रीय अर्थव्यवस्था के लिए अपशिष्ट प्रबंधन पर उद्यमिता मॉडल" पर रेडियो वार्ता की गई।

- आकाशवाणी, कोयम्बटूर में "वरुमानम कोडुक्कुम पुन्नै मरम और कृषि वानिकी में कृंतकीय प्रवर्धन तकनीकें" विषय पर रेडियो वार्ता की गई।

विविध

- दिनांक 9 सितंबर 2025 को भा.वा.अ.शि.प मुख्यालय, भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून और भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा हिमालय दिवस मनाया गया।

- भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला ने 16 सितंबर 2025 को विश्व ओजोन दिवस मनाया।

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं.,शिमला में विश्व ओजोन दिवस मनाया गया

मानव संसाधन समाचार

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. वनीत जिष्टू, वैज्ञानिक–ई, भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला	30.09.2025
डॉ. के.पी. सिंह,वैज्ञानिक–ई, भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून	30.09.2025
श्रीमती एलोरा दत्ता बोरा, मुख्य तकनीकी अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट	30.09.2025
श्री विवेक गोयल, अवर सचिव, भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून	30.09.2025
श्री एस.सेन शर्मा, अनुभाग अधिकारी, भा.वा.अ.शि.प (मुख्यालय), देहरादून	30.09.2025

प्रतिनियुक्ति पर नियुक्तियाँ

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. मनीषा थपलियाल,निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं.,शिमला	01.09.2025
डॉ. ए.के. त्रिपाठी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर	04.09.2025
डॉ. विनीत कुमार, उप महानिदेशक (शिक्षा), भा.वा.अ.शि.प	04.09.2025
डॉ. एच.एस. गिनवाल, उप महानिदेशक (अनुसंधान)	29.09.2025
श्री महालिंग भारतीय वन सेवा (झारखंड:2010) वनसंरक्षक, भा.वा.अ.शि.प (मुख्यालय)	01.09.2025

प्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्रीमती अनीता,भारतीय वन सेवा (राजस्थान:2010) वन संरक्षक, भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर	23.09.2025
डॉ. भानुदास नारायण पिंगले, भारतीय वन सेवा(महाराष्ट्र:2012), उप वन संरक्षक, भा.वा.अ.शि.प.(मुख्यलाय), देहरादून	02.09.2025

स्थानांतरण

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. आश्रित के.एन., वैज्ञानिक –सी, भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर से भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	11.09.2025
श्रीमती रिया टुडू सोलंकी, वैज्ञानिक –ई, भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु से भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं.,देहरादून	11.09.2025
डॉ. पूजा शर्मा, वैज्ञानिक–ई, भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर से भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून	11.09.2025
डॉ. अर्चनआर., वैज्ञानिक–सी, भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर से भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	11.09.2025
डॉ. सूर्यनारायण मूर्ति मिद्दे, भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर भा.वा.अ.शि.प.–त.पा.के.,विशाखापत्तनम	11.09.2025
डॉ. विश्व नाथ शर्मा, वैज्ञानिक–सी, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट से भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर	11.09.2025
डॉ. रंजना कुमारी नेगी, वैज्ञानिक–ई, भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून से भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं.,शिमला	11.09.2025
श्री संजीव खुगशाल, अवर सचिव, भा.वा.अ.शि.पदृ व.आ.वृ.प्र.सं., कोयंबटूर से भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून	25.09.2025
श्री बद्रीसेन नेगी, भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची से भा.वा.अ.शि.प.(मुख्यलाय), देहरादून	25.09.2025

प्रकाशन

शोधपत्र

- बिष्ट, एस. एस., बिष्ट, ए., जैसवाल, एन., कुमार, ए., सिंह, पी. पी., शर्मा, यू., भंडारी, एम. एस., और मीना, आर. के.(2025). ट्रिलियम गोवनियानम प्रकंदों से सैपोनिन से पूर्ण भागों का विकासात्मक अवस्था–वार फाइटोकेमिकल लक्षणांकन एवं जैविक मूल्यांकन। *केमिस्ट्री एंड बायोडायवर्सिटी. एडवांस आनलाइन पब्लिकेशन*। https://doi-org/10-1002/cbdv-202501354.

- चंदोला, एस., बिष्ट, एस. एस., पांडे, एस., मीना, आर. के., लखेड़ा, सी., और बछेती, आर. के. (प्रेस में)। कोरिम्बिया सिट्रिओडोरा के सगंध तेल में विकासक्रमीय और मौसमी पतिवर्तनः बोट्रियोस्फेरिया डोथिडिया के प्रतिरासायनिक विविधता एवं कवकरोधी प्रभावों का अध्ययन। *नेचुरल प्रोडक्ट कम्युनिकेशंस।(स्वीकृत)*

- चंदोला, एस., बिष्ट, एस. एस., पांडे, एस., मीना, आर. के., और भंडारी, एम. एस. (2025)। पश्चिमी हिमालय की विभिन्न प्राकृतिक आबादी में उगाए गए सिनामोमम तमाला के सगंध

तेल की रासायनिक विविधता एवं कवकरोधी सक्रियता।*केमिस्ट्री एंड बायोडायवर्सिटी. एडवांस अ०नलाइन पब्लिकेशन*। (समीक्षाधीन)

- यादव, वाई. और मुरली, के. (2025)। अरोमाथेरेपी में सगंध तेलः प्राचीन अनुष्ठानों से आधुनिक उपचार तक। विज्ञान वार्ता 6 (9)रू 75–79।

- शिवम तालेकर, कोंडेबोइना मुरली', एल.आर. लक्ष्मीकांत पांडा, योगिता यादव "तीन देसी औषधीय जड़ी–बूटियों से बनी हर्बल चाय का सूत्रीकरण एवं मात्रात्मक फाइटोकेमिकल विश्लेषण। फाइटोटॉक (संप्रेषित, पांडुलिपि आईडी: PT73_2025_3½।

- एम. सोमल, कुमार, एस., दुबे, कुमार, एम. के., , डी., और मिश्रा, के. (2025)। रबरकाष्ठ (हेविया ब्रासिलिएन्सिस) और डगलस फर (स्यूडोटसुगा मेंजीसी) की प्रकाश–स्थिरता तथा भौतिक–यांत्रिक गुणों पर तापीय संशोधन माध्यम का प्रभावः एक तुलनात्मक अध्ययन।मटीरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग,1–15. https://doi-org/10-1080/17480272-2025-2547841

- ईश्वरन, एम., मधुवंती, के.सी., कार्तिक, टी., बालासुब्रमण्यम, ए. एवं अन्य। सैंटलम एल्बम एल. (भारतीय चंदन) में जलवायु–अनुकूलनशील परिवर्तनशीलता का पोस्ट–ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन। जे. प्लांट बायोकेम.बायोटेक्नोलॉजी. (2025)। https://doi-org/10-1007/s13562&025-01009-z

- मोहम्मद गौस, रेखा आर. वारियर और यशोदा, आर., 2025. कृषि–वानिकी निधिको बढ़ावा देनाः नाबार्ड की सागौन निवेश पहलों का एक अध्ययन। ग्रैंड हयात कोच्चि, बोलगट्टी, केरल, भारत में दिनांक 17–20 सितंबर 2025 को हुए 5वें विश्व सागौन सम्मेलनमें पोस्टर प्रस्तुति।

- डी. थंगामणि, राजेश कुमार शर्मा, कोरापाटी रामाराव, कंथेश एम बसलिंगप्पा, सोनू देवाजी गाठे, पल्ला रामा सुधा रानी, गुलशन अशोक गुरुनानी, कृष्णकांत बी. भेलकर (2025), *वियानिया सोम्नीफेरा* से जैव–समतुल्य कैंसर यौगिकका निष्कर्षण, पृथक्करण एवं अभिलक्षणन, *जर्नल ऑफ कार्सिनोजेनेसिसरू* वॉल्यूम 24 नंबर 2s(2025):

- वेंकटेशन नटराजन, वेंकटेश्वरलू यादवल्ली, डी. थंगामणि, सुधीर एस हुंगे, वर्षा टेकदास शेवाटे, रामेनानी हरि बाबू, नवीन पाठकला, जे. थिप्परुद्रा, कैंसर रसायन–निवारण हेतु बहु–हर्बल सूत्रीकरण का नेटवर्क फार्माकोलॉजी एवं डॉकिंग अध्ययन। *जर्नल ऑफ कार्सिनोजेनेसिसरू* अंक 24 नंबर 4 (2025):

- सिन्हा ए, मालाकार ए (2025). साथ ही नीम (*अजादिराच्या इंडिका* ए. जूस) के सुधार के लिए पेड़ों का चुनावः अन्वेषणात्मक कारक और CRITIC विश्लेषण माध्यम से एक ह्यूरिस्टिक दृष्टिकोण। फॉरेस्ट इकोलॉजी एंड मैनेजमेंट 597,123146(2025). https://doi-org/10-1016/j-foreco-2025-123146 [IF: 4-38]

- मालाकार ए, दत्ता एस, शुक्ला एन, दासगुप्ता एस, सिंह आरपी, द्विवेदी एस, माहेश्वरी एस, शर्मा पीडी, पटनायक ए, गोराईं एस, सिन्हा ए (2025)। नीम (*अजादिराच्टा इंडिका* ए. जूस) की आनुवंशिक परिवर्तनशीलता एवं पारितंत्रीय सेवाएँ :दो दशक की व्यवस्थित अध्ययन। ताकि इसका फायदा उठाया जा सके।

- डॉ. पंकज सिंह, सुश्री आर्यमा मिश्रा, श्री डी. शिवा सत्य प्रसाद और मिस्टर बी. सुमन गौड़, "हानि किए बिना उपचार पर ओड़िया भाषा में "*सोयमिडाफेब्रिफ्यूगा* की सतत छाल कटाई " विषय पर विस्तार पुस्तिकाः दिनांक 18.09.2025 को वन विज्ञान केंद्र, ओडिशा में जारी की गई।

- डॉ. पंकज सिंह, सुश्री आर्यमा मिश्रा, श्री डी. शिव सत्य प्रसाद और श्री बी. सुमन गौड़, तेलुगु, हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में ***हेलेनिया स्पेशीओसा*** (जे. कोएनिग) एस. आर. दत्ता के प्रवर्धन तकनीकें पर एक्सटेंशन लीफलेट भा.वा.अ.शि.प., हैदराबाद में वृक्ष उत्पादकता मेला में 26.09.2025 को जारी किया गया है।

लोकप्रिय लेख

- बरुआ, के.एन. (2025). *पार्थेनियम हिस्टेरोफोरसः* जैव–विविधताके लिए खतरा। वृक्ष ज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला–2025 की स्मारिका,भा.वा.अ.शि.प.,–व.व.उ.सं., पृष्ठ 35

- बरुआह, एस. (2025). नवीकरण जड़ें : असम में मृदा संरक्षण और उसके भविष्य को सुरक्षित करना। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला : 2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.,–व.व.अ.सं.,, पृष्ठ 122।

- भूटिया, के. जी., भूटिया, पी. एल., कर्माकर, पी., शर्मा, एस., शर्मा, वी., ज्ञानी, पी. सी. एवं महतो, आर. (2025)।पॉपुलस *गैम्बली डोडेरूसतत* भविष्य हेतु पूर्वी हिमालय का एक दुर्लभ एवं संभावनाशील वृक्ष।वृक्ष ज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला : 2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.,–व.व.अ.सं.,पृष्ठ 192।

- बोरा, एस., बोरा, आर. के. एवं बरुआह, ए. एम. (2025)। अगरवुड प्रेरण के पारंपरिक एवं आधुनिक तरीके : आवश्यकता, तकनीकें एवं सरकारी हस्तक्षेप। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला : 2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.,–व.व.अ.सं.,पृष्ठ 78।

- क्रिस्टी, डी. एल. वी., हजारिका, बी., मैतेई, के. बी. एवं शर्मा, वी. (2025)। *रिकैल्सिट्रेंट* बीजों के संरक्षण एवं समझ में प्रगतिः रणनीतियाँ एवं दृष्टिकोण। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेलाः 2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.,–व.व.अ.सं., पृष्ठ 145।

- दासगुप्ता, पी. एवं दास, डी. जे. (2025)। एलीफेंट एप्पल (*डिलेनिया इंडिका एल.*): उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों का खट्टा रत्न। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेलाः 2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.,–व.व.अ.सं., पृष्ठ 49।

- ज्ञानी, पी. सी., महतो, आर., प्रजापत, आर. के., रॉय, ए. एवं खनिकर, आर. (2025)। *सायटोटैक्सोनॉमीः* बाँस प्रजातियों की पहचान हेतु एक उचित उपकरण।वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला:2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.,–व.व.अ.सं.,पृष्ठ 115।

- हजारिका, एम. और चौहान, एस. (2025). एलेलोपैथी तथा इसके महत्वपूर्ण दृष्टिकोण। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला–2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.,–व.व.अ.सं., पृष्ठ141 हजारिका, बी., क्रिस्टी, डी.एल.वी., और शर्मा, वी. (2025).

- ऑर्थोडॉक्स बीज एवं उनका भंडारण। वृक्ष ज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला–2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.,–व.व.अ.सं., पृष्ठ 150.

- इस्लाम, एस.ए. (2025). भारत में शानदार रॉयल बंगाल टाइगर (*पैंथेरा टाइग्रिस्टिग्रिस*) के संरक्षण का एक अवलोकन। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.,–व.व.अ.सं.,पृष्ठ 136

- खनिकर, आर. (2025). वनों की ताकतः अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस 2025 का आयोजन। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.,–व.व.अ.सं., पृष्ठ 196

- महतो, आर., ज्ञानी पी.सी., प्रजापत आर.के., और रॉय, ए. (2025). दुआबंगा ग्रैंडिफ्लोरा के काष्ठ गुण एवं औद्योगिक उपयोग। वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं. ,पृष्ठ 162

- महतो, आर., ज्ञानी पी.सी., प्रजापत आर.के., रॉय, ए. और सैकिया, पी. (2025). वृक्ष उत्पादकों एवं कारीगरों का सशक्तिकरणः सरकारी सहयोग एवं अवसर। वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.,पृष्ठ 28

- मीना, डी.के. (2025). तीन उत्तर–पूर्वी राज्यों में वन क्षेत्र के बाहर वृक्ष कटानः वृक्ष उत्पादकों हेतु कानूनी ढाँचा एवं दिशानिर्देश। वृक्ष ज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.,पृष्ठ 45

- मीतेई, के.बी., क्रिस्टी, डी.एल.वी., सिंह, के.जी., और शर्मा, वी. (2025). सतत भविष्य हेतु सटीक कृषिः किसानों के लिए एक उभरती हुई आवश्यकता। वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.,पृष्ठ168

- मीतेई, के.बी., सिंह, के.जी., क्रिस्टी, डी.एल.वी. और शर्मा, वी. (2025). कौना घास (*स्कोनोप्लेक्टस लैकस्ट्रिस*)ः मणिपुर में पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक सशक्तिकरण एवं आर्थिक विकास का समन्वय। वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.,–व.व.अ.सं., पृष्ठ 95

- मेहता, एम. (2025). प्रजाति चयनः कृषि वानिकी की सफलता का एक प्रमुख कारण।, वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.,पृष्ठ 92

- मेहता, एम., याम्पी, एम. (2025). पुनर्स्थापन प्रयासों हेतु देशज प्रजातियों का चयन एवं प्रवर्धन। एग्रीकल्चर और फूडः ई–न्यूजलेटर 7 (8)रू412–415

- प्रजापत आर.के., रॉय, ए., ज्ञानी पी.सी., महतो, आर., सैकिया, पी. और सैकिया, डी. (2025). फोएबे हाइनेसियाना (बोनसम)ः एक महत्वपूर्ण काष्ठ प्रजाति की प्रवर्धन तकनीक।, वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.–व. व.अ.सं.,पृष्ठ 45

- रॉय, ए., प्रजापत आर.के., ज्ञानी पी.सी., महतो, आर., सैकिया, पी. और सैकिया, डी. (2025). *मैगनोलिया चंपाका* ःउत्तर–पूर्व भारत की स्वर्णिम काष्ठ धरोहर। वृक्ष ज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.,पृष्ठ 41

- सैकिया, एन.जे., दत्ता, एन.बी. और इस्लाम, डब्ल्यू. (2025). *मैलोटस न्यूडिफ्लोरस* : एक नदी तटीय वनस्पति धरोहर। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा. अ.शि.प.,–व.व.अ.सं.,पृष्ठ130

- सरकार, ए. (2025). हरियाली का दूसरा पहलूः आक्रामक पौधों पर जानकारी। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.,पृष्ठ 68

- शर्मा, एस., हजारिका पी., प्रजापत आर.के,और ज्ञानी पी.सी. (2025). तवांग के मशरूम, संवर्धन, पोषण एवं उपचार का सामंजस्यपूर्ण संगम।वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकतामेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.,पृष्ठ 110

- सिंह, के.जी., मीतेई, के.बी., और शर्मा, वी. (2025). फार्म वानिकी किसानों की आजीविका एवं पर्यावरणीय स्थिरता का प्रेरक। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट पृष्ठ 85

- सिंह, के.जी., मीतेई, के.बी. शर्मा, वी. और कलिता, आर.के. (2025). वृक्ष बीजों की सुप्तावस्था को दूर करनाः वृक्ष उत्पादकों के लिए मानकीकृत पूर्व–बुवाई प्रोटोकॉल। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा. अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट पृष्ठ 178

- सिंह, एम.के. (2025). पूर्वोत्तर भारत में सतत भूमि प्रबंधनः मार्ग एवं सर्वोत्तम प्रथा। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.,पृष्ठ 186

- सिंह, एम.के. और शर्मा, वी. (2025). सतत कृषि एवं सुरक्षित आजीविका हेतु गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ. सं.,पृष्ठ 21

- सिंघा, बी.एल. और कोरिन, टी. (2025). सततता, पारिस्थितिक एवं आर्थिक स्थिरता हेतु कृषि वानिकी। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका,भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ. सं.,पृष्ठ 154.

- सिंघा, बी.एल., मीतेई, के.बी., सिंह, के.जी., और कोरिन,टी. (2025). मखाना (थांगजिंग) – पूर्वोत्तर भारत के लिए एक संभावनाशील जलीय नकदी फसल। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला–2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.–व.व. अ.सं.,पृष्ठ 71

- तमांग, एम. (2025). हरित से आगेरू असम के पहाड़ी जिलों में कैसेएकल–प्रजाति द्वारा खाली जमीन का प्रतिस्थापन हुआ हैं। वृक्षज्योति, वृक्ष उत्पादकता मेला –2025 की स्मारिका, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं.,पृष्ठ 631

पुस्तक अध्याय

- भोई, टी. के., व्यास, वी., सामल, आई., महंत, डी. के., कोमल, जे., सिंह, एस., एवं शर्मा, के. (2025).नैनोपेस्टीसाइड्सः *अनलिशिंग द पावर ऑफ टाइनि वाररियर्स इन प्लान्ट प्रोटेक्शन*। आर. सैय्यद, एन. इलियास, और डी. फर्नांडो (एडिटर्स), इनोवेटिव एग्रीकल्चर में प्रकाशित (पृ. 156–180).

समीक्षा पत्र

- आचार्य, एल. के., परमगुरु, पी. के., त्रिपाठी, के., भोई, टी. के., सेठ, पी., और बिराह, ए. (2025). भूजल में कीटनाशक प्रदूषणरू प्रक्रियाएँ, जोखिम एवं न्यूनीकरण रणनीतियाँ। डिस्कवर एग्रीकल्चर,3,152-https://doi-org/10-1007/s44279&025&00337-x

विवरणिका / पुस्तिकाएँ / पोस्टर / चार्ट / विस्तार सामाग्री

- डॉ. शैलेंद्र कुमार, वैज्ञानिक–डी द्वारा बांस सुखाने पर विवरणिका तैयार की गई।

- डॉ. शैलेंद्र कुमार, साइंटिस्ट–डी. द्वारा भारत में प्रकाष्ठ की डिमांड और सप्लाई पर विवरणिका तैयार की गई।

- डॉ. शैलेंद्र कुमार, वैज्ञानिक–डी द्वारा भारत में प्रकाष्ठकी मांग एवं आपूर्ति परपर विवरणिका तैयार की गई।

- डॉ. शैलेंद्र कुमार, वैज्ञानिक–डी द्वारा भारत में प्रकाष्ठ एवं ईंधन लकड़ी के अंतर–क्षेत्रीय प्रवाह पर विवरणिका तैयार की गई।

संरक्षक:
श्रीमती कंचन देवी, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प, देहरादून

संपादक मंडल:
डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
डॉ. विश्वजीत शर्मा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, सदस्य

हिन्दी संस्करण:
श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा), सदस्य

सहायक:
श्री प्रिंस, तकनीकी सहायक (मीडिया एवं विस्तार)

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।